भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902

डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2023-2025

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 8 | अंक 15 | उदयपुर मंगलवार 15 अगस्त 2023 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

जब पुलिस डंडा लहराते प्रभातफेरी से पकड़ ले गई

-डॉ. महेन्द्र भानावत-

कोई घटना मामूली होकर कब गैर मामूली बन जाती है कि कुछ कहते नहीं बनता और जीवन में अमिट छाप छोड़ जाती है। ऐसा ही कुछ मेरे साथ घटित हुआ। कानोड़ छोटा गांव होने पर भी चेतना और जागृति इतनी थी कि एक दर्जन स्वतंत्रता सेनानी वहां नव जागरण का शंख फूंक रहे थे। हम लोग एक निजी स्कूल में पढ़ाई करते थे। कोई दस वर्ष की उम्र थी। वहां का वातावरण ही ऐसा था कि स्वतंत्रता, आजादी और गुलामी का अर्थ समझते ही नहीं थे, अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारों से भी पूर्णत: वाकिब थे।

सुबै ही सुबै प्रभातफेरी में सजधजकर शरीक होते। दो-दो की पंक्ति में अनुशासनबद्ध हो 'कदम से कदम मिलायेजा, खुशी के गीत गायेजा' गाते जोर-शोर से लोगों को जगाने-

'उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहां जो सोवत है।
जो सोवत है सो खोवत है जो जागत है सो पावत है।'

गान के साथ पं. उदय जैन हमारा हौंसला बढ़ाते गांव के मोहल्लों-बाजारों की फेरी लगाते।

गांधीजी का नाम प्रत्येक घर-परिवार में जाना-पहचाना बना हुआ था। महिलाओं में भी आजाद होने का जोश खरोश था।

चार-पांच दिन तक ऐसी ही प्रभातफेरी निकालने के कारण हमारा हिया भी खुल गया था। कभी-कभी पुलिस के जवान भी हमारे साथ हो जाते मगर हमें तनिक भी उनसे भय नहीं था। वे जब होते तो हम अपनी मुट्ठियां आकाश में घुमाते अधिक जोर-शोर से नारेबाजी करते। मन में यह भी आता कि ये पुलिस वाले भी तो हमारे अपने ही भाई हैं। ये भी तो स्वतंत्रता चाहते होंगे पर इनकी मजबूरी है सो हमारे साथ चल रहे हैं। उस दिन की प्रभातफेरी में न मालूम क्यों हमारे गुरुजन के साथ-साथ हममें भी बड़ा जोश व्याप्त था। हम गाते चले जा रहे थे- 'प्राण मित्रों भले ही गंवाना, पर यह झंडा न नीचे झुकाना।'

इसके साथ -

झंडा ऊंचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।
इसकी शान न जाने पाये, चाहे जान भले ही जाये।।

के स्वर बुलंद ही नहीं थे, पुलिसवाले भैये के साथ हमने घूर के देखा और अपने पांवों की कदम ताल भारी कर दी। इससे पुलिसवाले को गुस्सा आना स्वाभाविक था। वह समझ बैठा कि हम लोग उसे चुनौती दे रहे हैं लिहाजा उसने इशारे से सिटी बजाकर दो भैयों को और बुला लिया जो बड़े डंडे लिये थे।

मौका देख उन्होंने हमारे पर आक्रामक निगाहें डालीं और आंखों की त्यौरियां बढ़ाते हमें थाने ले जाने का डंडा घुमाया। हमारी एक टुकड़ी उसके इशारे से थाने की ओर बढ़ी। जाते समय हम जरा भी भयभीत नहीं हुए पर मन में यह तो था ही कि गुरुजी को इस घटना का पता चलेगा तो पुलिसवाले से अधिक हमारे पर दोषारोपण कर कहीं हमारी खबर न ल लें। घरवालों से भी इससे हमारी यदि नाराजगी हो गई तो हमारी क्या गत होगी।

थाने जाकर बाहर उसके अहाते में हमें भेड़-बकरों की तरह बिठा दिया। डर के मारे हम अधिक खुसरफुसर भी नहीं कर पाये और चुपचाप भीगी बिल्ली की तरह बैठे रहे। यह तो सोच ही रहे थे कि यदि हमारे साथ बीती इस घटना की जानकारी हमारे अभिभावकों को हो गई तो वे दौड़े-दौड़े आयेंगे और हमें बचाने का भरसक प्रयत्न करेंगे।

कोई दस मिनिट बाद थाने के भीतर से हेड पुलिस आया। वह मूंछों पर ताव देता बड़े बुलंद स्वरों में डंडा बजाते बोला, 'जाओ, जल्दी से अपने-अपने घर भाग जाओ। आइन्दा ऐसी गड़बड़ मत करना' हम जान बचाये लाखों पाये, वहां से ऐसे छूटे कि सीधे अपने-अपने घर पहुंचे।

इसे क्या कहें, इस घटना के दूसरे ही दिन सुबह बिजली की तरह बात फैली कि हम स्वतंत्र हो गये हैं। गांधीजी ने हमें आजादी दिला दी है। अंग्रेज अपने बोरिया बिस्तर लेकर देश छोड़ गये हैं। सफेद टोपी हमारे पास थी ही। हमने घर पर ही उसके उस्तरी की और नई पोशाक पहन स्कूल गये।

पं. उदय जैन साहब ने बड़े स्वाभिमान से झंडारोहण किया और कहा, बच्चों! अनेक लालों ने भारतमाता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा दी। तुम्हारे में जब तक स्वांस रहे, देशप्रेम, देशभक्ति और देशसेवा के लिए जरा भी हिचकिचाहट नहीं कर सदैव आगे रहना है। एक तो जन्म देने वाली मां और दूसरी भारतमाता से बढ़कर कोई बड़ा नहीं है। प्रभातफेरी के दौरान जो गीत गाये वे ही हमारे आदर्श हैं। हमने मन-ही-मन उनकी बात को संकल्प की तरह आजीवन ग्रहण किया। जाते वक्त एक-एक दोना नुगतीदाणे का लिया और घर जाकर सभी परिजनों को आजादी मिलने का मुंह मीठा कराया। उसके बाद तो उस गांव में सफेद टोपियां ही टोपियां और खद्दरधारी पुरुष और हम छात्र भी नजर आने लगे।

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

हमारी आज़ादी के 76 साल

भारत का ज़िंक बेमिसाल
इमारतों का जंग से रखे ख़्याल

कुपोषण से दूर रहे नोनिहाल
आँखों, बालों, त्वचा और दिल की
इम्युनिटी से करें देखभाल

World's leading integrated Zinc-Lead Producer | Among top 5 integrated Silver Producer

Hindustan Zinc Limited
Yashad Bhawan, Near Swaroop Sagar, Udaipur-313004, Rajasthan-India. PH: +91294-6604000-02 | www.hzlindia.com | CIN - L27204RJ1906PLC001208

SAFE SMART SUSTAINABLE

www.facebook.com/HindustanZinc | www.twitter.com/CEO_HZL | www.twitter.com/Hindustan_Zinc | www.linkedin.com/companyhindustanzinc | www.instagram.com/hindustan_zinc

SAI TIRUPATI UNIVERSITY, UDAIPUR

Approved by Section 2(f) of UGC Act 1956

Web: www.saitirupatiuniversity.ac.in | Email: info@saitirupatiuniversity.ac.in

PIMS HOSPITAL UMARDA

PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

ADMISSION OPEN 2023-24

8209500035
9587890082

VENKTESHWAR INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCES

Approved by RPMC

- Diploma (2 Years)
- Radiation Technology
- Operation Theater Technology
- Medical Laboratory Technology
- ECG Technology
- Cath Lab Technology

VENKATESHWAR INSTITUTE OF PHARMACY

Approved by PCI

- D. Pharma (2 Years)
- B. Pharma (4 Years)

VENKTESHWAR COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY

- B.P.T. (4.5 Years)
- M.P.T. (2 Years)

VENKTESHWAR INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY & MASS COMMUNICATION

9672978017, 9588936922

- FASHION DESIGNING
- INTERIOR DESIGNING
- Diploma (1 Year)
- Adv. Diploma (2 Years)
- B.Voc (3 Years)
- M.Voc (2 Years)
- B.Des (4 Years)
- M.Des (2 Years)

- FINE ARTS
- BFA (4 Years)
- MFA (2 Years)

- JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
- D-JMC (1 Years)
- BA-JMC (3 Years)
- MA-JMC (2 Years)

VENKTESHWAR SCHOOL OF NURSING

Approved by INC & RNC

- G.N.M. (3 Years)

VENKTESHWAR COLLEGE OF NURSING

Approved by INC & RNC

- M.Sc. Nursing (2 Years)
- Medical Surgical Nursing
- Child Health Nursing
- Obstertric & Gynaecological
- Community Health Nursing
- Mental Health Nursing
- B.Sc. Nursing (4 Years)

VENKTESHWAR INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

- MBA - Hospital Administration and Health Care Management

PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

Approved & Recognized by NMC

- M.B.B.S. (4.5 Years + 1 Year Internship)
- MD/MS (3 Years)
- M.Sc. in Medical Sciences [Non-Clinical] (3 Years)

Umarda Railway Station Road, Udaipur

Contact: 0294 - 3510000, 8696440666
Web : www.pacificmedicalsciences.ac.in

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, उदयपुर
16 वर्षों का अनुभव और लाखों लोगों के विश्वास के साथ
NABH ACCREDITED H-2018-0535
GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS
MC-3461
NABH ACCREDITED BB-2022-0130
कैंसर होने पर भी हम नहीं खोने देते
आपका आत्मविश्वास
गीतांजली कैंसर सेंटर में सम्पूर्ण देखभाल के साथ विश्वस्तर पर लागू प्रोटोकॉल आधारित कैंसर उपचार को अत्याधुनिक तकनीकों द्वारा निरन्तर किया जा रहा है|
गीतांजली कैंसर सेंटर में अब तक के लाभार्थी
48,500+ कीमोथेरेपी
4,600+ सर्जरी
2,55,000+ रेडियोथेरेपी
1,300+ ब्रेकिथेरेपी
400+ रेडियोसर्जरी
दक्षिणी राजस्थान का एकमात्र 30 बेडेड कीमोथेरेपी डे-केयर सेन्टर
PET-CT SCAN
Discovery IQ Gen 2, 3 Rings
Linear Accelerator
Elekta Versa HD
SRS, SBRT, IGRT, VMAT, IMRT, 3D CRT
मेडिकल ऑन्कोलोजिस्ट
डॉ. अंकित अग्रवाल
डॉ. रेणु मिश्रा
सर्जिकल ऑन्कोलोजिस्ट
डॉ. आशीष जाखेटिया
डॉ. अजय कुमार यादव
रेडियेशन ऑन्कोलोजिस्ट
डॉ. ए.आर. गुप्ता
डॉ. रमेश पुरोहित
न्यूक्लियर मेडिसिन
डॉ. रितेश उपाध्याय
ऑन्को एनेस्थेटिस्ट एवं पेन एंड पैलिएटिव केयर
डॉ. सीमा परतानी
डॉ. नवीन पाटीदार
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS)
• भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL)
• स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय खाद्य निगम (FCI) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)
• राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत है।
गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.)
+91 911 615 1129 | +91 294 250 0044
www.geetanjalihospital.co.in

शब्द रंजन

उदयपुर, मंगलवार 15 अगस्त 2023

सम्पादकीय

संसद सांप और सीढ़ी

गांव की वह चौपाल बड़ी यादगार बनी जब पटेलजी ने एक नई बात कह दी कि आजादी के बाद असली परतंत्री तो चले गये मगर जो हम स्वतंत्री रह गये वे ही लोक और तंत्र की बखिया उधेड़ने में लगे हैं। उनकी यह बात आज भी मेरे कानों में गूंज रही है।

चौपाल की बहस का प्रमुख मुद्दा यही था कि जो सांसद वहां शोभासीन हैं वे जनप्रतिनिधि हैं और उनका अनिवार्य दायित्व है कि वे जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए जो संविधान बनाया गया उसकी पूरे प्रण से रक्षा करें पर आजादी के इतने लम्बे समय बाद भी ऐसा हुआ नहीं देखा गया।

जन प्रतिनिधि यह भूल बैठे हैं कि वे जनता द्वारा अनेकों वादों से बंध कर चुने हुए यहां तक पहुंचे हैं और वहां पहुंचकर जो शपथ उन्होंने ली है, जो वादे उन्होंने किये हैं, जो आश्वासन उन्होंने दिये हैं, उन सबसे मुंह फेर लिया है।

पटेलबा का यह कहते-कहते चेहरा तेजी खाते देखा गया। जो भारत गांवों का देश है, वे गांव वैसे-के-वैसे श्रीहीन बने हुए हैं। अभी तक सड़कों से ही नहीं जुड़े हैं। सुविधाओं के नाम पर दुविधाएं और अधिक बढ़ गई हैं और जो हुनर उनके हाथों में थे वे भी विकास के नाम उनसे छीन लिये गये हैं।

पटेलजी के तेवर तेजी खा रहे थे सो स्वाभाविक था। वे तेवर कमजोर नहीं पड़ और उछाल खा रहे थे जैसे मंडी के भाव खाते हैं। पटेलजी ने तो इतना तक कह दिया कि सांसद जैसे सांप-सीढ़ी के खेल की तरह अलग-अलग रूपों में बंटे हुए हैं।

सत्तारूढ़ दल तो सत्ता पर काबिज होकर राजकाज देखने और तंत्र को मजबूत करने का काम करता है और सीढ़ी-दर-सीढ़ी विकास की गति चढ़ता है पर विपक्षी भी यदि एकजुट हो सकारात्मक सहयोग करें तो सोने पर सुहागा ही जुड़ता है पर वे तो सांप की बाजी खेलने में ही मशगूल हैं और मोटी बात यह कि वे सब मिलजुल कर एकजुट नहीं हैं। ऐसे में शासक दल के स्थिर चित्त की जमीजमाई सीढ़ी को भी वे जमने नहीं दे रहे हैं। इससे किसका नुकसान हो रहा है, वे यह भी नहीं सोच रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर ही सही, हमारे सांसद यह प्रतिज्ञा लें कि राष्ट्र के प्रति जैसा समर्पण हमारे सेनानियों ने आजादी से पूर्व दिखाया था, हम भी वैसा ही मन अपने देश के उत्थान, उन्नयन और उत्कर्ष में लगायें। वे तराने जो पूर्व में गाते थे, उन्हें पुन: याद करें और सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां बनाने में प्रण-प्राण से जुट जायें।

स्वतंत्रता दिवस की सभी सुधी पाठकों, विद्वानों, लेखकों, विज्ञापनदाताओं को हार्दिक बधाई।

पोथीखाना

तरल भावनाओं की सरस अभिव्यक्ति : अण बिंदया मोती

भारतीय दर्शन में आख्यायिकाओं का विशेष महत्व रहा है। सनातन दर्शन में क्लिष्ट विषयों, तत्व बोध तथा गूढ़ रहस्यों को आमजन तक सरलता से पहुंचाने के लिए आख्यायिकाओं का सहारा लिया गया है।

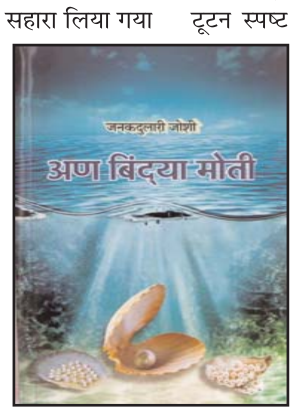

आख्यायिकाएं, वार्ताएं, कहानी सभी एक दूसरे की पूरक हैं। दार्शनिक,सांस्कृतिक, सामाजिक और साहित्यिक महत्व को परिभाषित करती हुई, नई व पुरानी कथाओं- वार्ताओं पर आधारित श्रीमती जनकदुलारी जोशी की मेवाड़ी भाषा में लिखी,पहली पुस्तक 'अण विंध्या मोती' बाजार में आई है।

पुस्तक में 'कृष्ण री मैट्रिक्स', 'करे कुण,भरे कुण', 'बोल, अबे थूं कई करेगा', 'जोग के संजोग' आदि लेखों में जहां प्रज्ञा की उदात्त चेतना की सरस अभिव्यक्ति की गई है,वहीं 'बेटा लिछमी आई है, 'वासंती बाल मंदिर' तथा 'घर आयो मां जियो' लेखों में हृदय की कोमल भावनाओं को जिस लरजती मखमली अंदाज में प्रस्तुत किया गया है,उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए।

'हां म्हां आश्यां ई ज हां' तथा 'म्हारी अरज अतरी है के' 'आयरा मायरा री मगज पच्ची' आदि लेखों में अन्तर्चक्षु से अनुभूत तरल अनुभूतियों की प्रस्तुति बहुत मार्मिक और हृदय स्पर्शी बन पड़ी है। पुस्तक का पूरा कलेवर नैतिक शिक्षा के इर्द-गिर्द घूमता नजर आता है।

पुस्तक में मेवाड़ी कहावतों, मुहावरों का भरपूर प्रयोग किया गया है,जो वाक्यों में चमत्कार पैदा कर रहा है। भाषा सीधी सरल और प्रभावी है। कहीं भी पांडित्य प्रदर्शन जैसी बात देखने में नहीं आती। लेखिका ने स्वयं कहा है कि इस पुस्तक में मेरा कुछ भी मौलिक नहीं है। नई पुरानी बातों को ही नए कलेवर में प्रस्तुत किया गया है।

यों देखा जाए तो लेखिका की मेवाड़ी भाषा में लिखी पहली पुस्तक है, इसलिए कहीं-कहीं भाषा की टूटन स्पष्ट दिखाई दे रही है। कई जगह वाक्यों के गठन और प्रस्तुतीकरण में शिथिलता नजर आती है। इतना सब कुछ होने के बावजूद चौतरफा संघर्षरत स्त्री-स्वर को प्राथमिकता देते हुए प्रथम प्रयास की सराहना की जानी चाहिए। राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति अकादमी बीकानेर से चयनित पांडुलिपि के अंतर्गत आंशिक आर्थिक सहयोग से प्रकाशित, पुस्तक का आवरण, आकार और छपाई आकर्षक और प्रभावी है। टाइप के फोंट का चयन लाजवाब है। अनुविंद प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक का मूल्य 250 रूपये है। कुल मिलाकर मेवाड़ी पाठकों के लिए पुस्तक पठनीय और संग्रहणीय है।

-प्रमिला शरद व्यास

'स्वतंत्रता अमूल्य है' अभियान

उदयपुर (ह. सं.)। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रा. लि. अपने विशिष्ट स्वतंत्रता दिवस प्रोत्साहन अभियान की घोषणा की जिसकी थीम 'स्वतंत्रता अमूल्य है'। एलजी ग्राहकों को कई रोमांचक और अपराजेय ऑफर पेश करके स्वतंत्रता की भावना को अपना रहा है। यह अभियान 20 अगस्त तक चलेगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के रीजनल बिजनेस हेड कमल तिवारी ने कहा कि स्वतंत्रता अमूल्य है अभियान के साथ, हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को अपने और अपने घरों के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करके की भावना का सम्मान करना है।

स्वतंत्रता दिवस पर गांधी ग्राउंड पर आयोजित समारोह में संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट से सम्मानित होते पत्रकारत्रय मोहम्मद इलियास, धीरेन्द्र जोशी एवं अभिषेक जोशी।

आजादी के बाद अपने ही लोगों से संघर्ष

यह एक आम धारणा कि अमीर गरीब का शोषण करता है। इसी अवधारणा पर कई फिल्में बनी हैं और समाज में यह अवधारणा बहुत निचले स्तर तक बनी हुई है लेकिन आजादी के पचहत्तर वर्षों में हमें एक नवीन संघर्ष देखने को मिल रहा है। यह संघर्ष अमीर और गरीब के बीच का नहीं है, अपितु अपने ही समान स्तर के लोगों के बीच में है। यह नवीन संघर्ष अमीर का अमीरों के बीच में और गरीब का गरीबों के बीच में ही हो रहा है।

अपने समान स्तर के व्यक्ति के विकास को वह सहन नहीं कर पाता है। जब एक वर्ग का व्यक्ति कुछ समय के लिए बेहतर अवस्था में आता है तो अपने ही वर्ग के व्यक्तियों का शोषण करने में पीछे नहीं हटता है। अक्सर पुलिस वाले उन्हीं लोगों से रिश्वत लेते हुए नजर आते है, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से उन्हीं की तरह हैं। बड़ी-बड़ी गाड़ियों में घूमने वाले व्यक्तियों के चालान नहीं बनाते हैं अपितु मोटर साइकिल चलाने वाले उन्हीं तरह के व्यक्तियों का बनाता है।

कुछ तथ्यों के साथ मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि सामाजिक संघर्ष ने आज नवीन रूप ले लिया है। व्यक्ति अपने ही वर्ग के साथ संघर्ष कर रहा है। आरक्षण को लागू किए हुए 70 से अधिक वर्ष हो गए हैं उसके बावजूद वह प्रगति हम नहीं देख पा रहे हैं जो होनी चाहिए थी। आज अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जनजातियां अट्ठारह सौ पचास से ज्यादा हैं लेकिन उनके बीच कुछ जातियां ही आगे बढ़ पाईं। अधिकांश जातियां पीछे रह गई क्योंकि वह आरक्षण का लाभ नहीं ले पाई या समान स्तर से सभी जातियों के लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिला।

आरक्षित जातियों के बीच ही सुविधाओं के लिए संघर्ष जारी है। आरक्षण का एक वर्ग लाभ उठा रहा है और अपने समान ही व्यक्तियों को पीछे धकेल रहा है। दलित समुदाय के बीच भी कई उपजातियां हैं जो आपस में शादी-व्यवहार नहीं करते हैं। इनके बीच कई भेद हैं। दलित समुदाय की शीर्ष उपजातियां अन्य उपजातियों से विवाह नहीं करते। दलित खुद अत्याचारों पर लगाम नहीं लगाते हैं जिनके लिए सवर्णों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। दलित में भी कुलीन और गैर कुलीन वर्ग बन गए हैं। कुलीन वर्ग के ऊपर आरक्षण का लाभ लेने का आरोप लगाया जाता है। इस तरह अपने ही स्तर के लोगों के मध्य एक नवीन संघर्ष पैदा हुआ है।

मार्च 2020 में जब लॉकडाउन की घोषणा हुई तब कई प्रवासी मजदूर वापस अपने घर लौटने लगे जो उनके ही परिवार के लोगों को अच्छा नहीं लगा। अपने स्वयं के गांव में यह 11 करोड़ प्रवासी मजदूर पराए हो गए। स्थानीय स्तर पर नौकरी एवं संसाधन के संघर्ष में तेजी आई। अहमदाबाद की एक प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि लॉकडाउन में मध्यमवर्गीय समाज में मकानों की बिक्री बहुत ज्यादा हुई। जो लोग लॉकडाउन में अपने घरों की तरफ आए उन्हें उनके परिवारवालों ने नहीं अपनाया। उनके साथ ज्यादा मतभेद उभर कर आए। परिणामस्वरूप दो बेडरूम फ्लैट बहुत बिके। अपने ही समान वर्ग के प्रति संघर्ष लॉकडाउन के कारण भी पैदा हुआ।

अक्सर अखबारों में यह समाचार पढ़ने को मिलता है कि अपने सगे संबंधियों के हाथों शोषण हिंसा अत्याचार लूट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। एक ही परिवार के मध्य संघर्ष नजर आता है न कि अमीर और गरीब परिवारों की मध्य।

इस तरह आज एक नवीन संघर्ष देखने को मिलता है। जहां तक मैं समझ पाया हूं अमीरों का गरीबों के साथ संघर्ष कभी रहा नहीं है जबकि उस को दर्शाया गया है। गरीबों के प्रति दार्शनिक अनुभूति अमीर रखता है। कई अमीर कर्तव्यनिष्ठ ड्राइवर, नौकरानी, स्वीपर के बच्चों को पढ़ाने की कोशिश करते हैं। एक घर में काम करने वाली महिलाओं के प्रति भी संवेदनाएं रखी जाती है। कई डॉक्टर गरीबों का मुफ्त इलाज करने के लिए तैयार रहते हैं। कई वकील गरीबों का मुफ्त केस लड़ने के लिए आगे आते हैं। संपूर्ण वर्ग को दोषी ठहराना उचित नहीं है। अपने ही समान वर्ग के व्यक्तियों के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक रखना होगा ताकि एक नए समाज की सेवा कर सके जहां सभी व्यक्ति खुशहाल हो।

- प्रो. शूरवीरसिंह भाणावत

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

1937 सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2023-24

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mobile No. : 9829160606, 9460826362, 9413752492

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Public Administration, Environmental Science, Jyotish
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science
Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course :** Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Faculty of Commerce : Mobile No. : 9460492196, 9460372183, 9461180053

B.Com., B.B.A., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Ph. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Computer science

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 8209630249

B.A, BA (Additional), B.Lib MA (All Subjects), MA (Music)MA Education, M.Com, M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths), MA/M.Sc (Psychology), M.Lib PG Diploma in Guidance counseling, PG Diploma in Mental Health Counselling, B.Ed in Special Education (ID), B.Ed Special Education (HI) D.Ed. Special Education (IDD) D.Ed. Special Education (HI), D.Ed. Special Education (VI), (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2), DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation), DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval), D.Lib, Diploma in Music

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year(Wrestling, Judo, Powerlifting, Yoga, Weight Lifting, Boxing, Wusu)

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1
Year (Hockey, Football, Kabaddi, Volleyball, Basketball, Badminton)

Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law)
Diploma in Criminal Psychology

Department of Pharmacy - 9414869044

D. Pharma (Diploma in Pharmacy)

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

Diploma in Engineering - Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science.

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A., M.C.A., M.Sc.(CS), B.Sc. in Data Science, P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation

Department of Nursing - Ph. 9414308252, 9782920126, 9772982280

B.Sc. Nursing
G.N.M. Nursing

Udaipur School of Social Work - Ph. 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch)

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Ph. : 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology; PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology,
M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9694881447, 9079919960, 8209568068, 7014982037

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740

Diploma in Homoeopathic Pharmacy (DHP).

Faculty of Management Studies (FMS)
Ph. : 0294-2490632, 9460322351, 9414161889, 9636803729, 9782049628, 9001556306, 9928544749

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M.

Department of Travel, Tourism & Hotel Management
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA, BBA (Tourism & Travel) Specialisation in Hotel Management
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Food Production)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur, Mob. : 9928456341, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc., M.A. Geography, Pol.Sc., Regular Special Classes for Competition exams

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Faculty of Education - Ph. : 8306182436, 0294-2655327

M.Ed., M.A. Education, B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), B.Ed. (Child Development), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

SHRVA © 9828244344

Note :

For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

'क्राफ्टेड बाय भारत' की घोषणा

उदयपुर (ह. सं.)। भारत के घरेलू ई–कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट समर्थ पहल के तहत अपने महात्वाकांक्षी सेल इवेंट 'क्राफ्टेड बाय भारत' के पांचवें संस्करण की घोषणा की। इवेंट में हस्तशिल्प एवं हथकरघा के क्षेत्र में भारत की समृद्ध विरासत की झलक दिखेगी जिसमें देशभर से कला के 300 से ज्यादा स्वरूपों के एक लाख से ज्यादा उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा कि इस सेल के लिए फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर एक समर्पित स्टोरफ्रंट भी होगा, जिसके तहत महिला विक्रेताओं के उत्पादों को विशेषरूप से प्रदर्शित किया जाएगा। फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम से जुड़े लाखों कारीगरों, बुनकरों, दिव्यांगों, स्वयं सहायता समूहों एवं सरकारी एम्पोरियम से जुड़ी महिलाओं को इस इवेंट का हिस्सा बनाया गया है, जो स्वदेश निर्मित हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक उत्पाद प्रस्तुत करेंगे।

मेघदूत हर्बल के विपुल शुक्ला ने कहा कि 'क्राफ्टेड बाय भारत' सेल ने हमेशा अधिक से अधिक ग्राहकों के बीच अपने ब्रांड को बढ़ाने में मदद की और विविध प्रोडक्ट प्रदर्शित करने का अवसर दिया है। डीके फैशन साड़ी की प्रियदर्शिनी पांडा ने कहा कि फ्लिपकार्ट ने हमें समय–समय पर राह दिखाई है और ऐसे प्रोग्राम लॉन्च किए हैं, जिनसे हम लगातार अपने व्यवसाय में कुछ नया करने में सक्षम हुए हैं।

आईस्टार्ट-आइडियाथॉन के विजेता सम्मानित

उदयपुर (ह. सं.)। आईस्टार्ट, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, राजस्थान ने अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप स्टडीबेस, टिंकरली और कोडविध्या के सहयोग से 5 अगस्त को पहली बार आईस्टार्ट–आइडियाथॉन का आयोजन किया। इसमें संभाग के स्कूलों और कॉलेजों की 300 से अधिक टीमों ने पंजीकरण कराया।

मुख्य अतिथि अजयसिंह आईपीएस, डीआईजी एसएसबी, आईआईएम उदयपुर के इन्क्यूबेसन सेंटर के सीईओ सुरेश ढाका, फ्यूजन बिजनेस सोल्यूशन प्रा. लि. के सीईओ मधुकर दुबे, कन्सॉफ्ट के सह संस्थापक परीक्षित तलेसरा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद स्कूली छात्रों के लिए 'उल्लेखनीय शिक्षा' द्वारा कैरियर परामर्श सत्र और लॉन्चपैड के संबंध में प्रधानाचार्यों, व्याख्याताओं और शिक्षकों की चर्चा हुई। बच्चा चाहे सरकारी स्कूल का हो या प्राइवेट स्कूल का। शहर का हो या ग्रामीण परिवेश का। उनको आईडिया और प्रतिभा के आधार पर सेलेक्ट किया जाता है। स्टडी बेस के डायरेक्टर अनुज आहूजा एवं नोडल ऑफिसर डिजिटल प्लेटफॉर्म मनोज बिश्नोई ने बताया कि स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चे जिनके पास आइडिया तो है लेकिन वे उन्हें कहीं भी प्रदर्शित नहीं कर पाते हैं। उनमें या तो झिझक होती है या फिर उन्हें ऐसा कोई मंच नहीं मिल पाता है।

कॉलेज टीम में हर्षित बोराना के नेतृत्व में गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल उदयपुर की टीम डिबगिंग अर्थ को प्रथम पुरस्कार, आशीष देव के नेतृत्व में कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग की टीम अचीवमेट को द्वितीय तथा सौरभ पूर्बिया के नेतृत्व में सीटीएई की टीम पिक्लेट को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया जिन्हें क्रमशः 50 हजार, 25 हजार तथा 15 हजार रूपये से सम्मानित किया गया।

स्कूल टीम में नितिन सुथार के नेतृत्व में राजकीय गुरु गोविंदसिंह सीनियर सेकेंडरी के मेडिकल बेड टीम को प्रथम पुरस्कार, विहान मोगरा के नेतृत्व में नीरजा मोदी स्कूल की टीम टेक्नी कार्ट्स को द्वितीय तथा ध्रुविका शर्मा के नेतृत्व में महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल की टीम कंपोस्ट हीटिंग सिस्टम को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया जिन्हें क्रमशः 25 हजार, 15 हजार तथा 10 हजार रूपये से सम्मानित किया गया।

अकादमी अध्यक्ष छंगाणी को साहित्य मनीषी रत्न की उपाधि

सम्प्रति संस्थान, उदयपुर की ओर से हुआ सम्मान

उदयपुर (ह. सं.)। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष शिवराज छंगाणी का सम्प्रति संस्थान, उदयपुर की ओर से उनकी सुदीर्घ साहित्य–सेवाओं के लिए बीकानेर अकादमी सभागार में 'साहित्य मनीषी रत्न' की उपाधि प्रदान की गई।

इस अवसर पर अकादमी अध्यक्ष श्री छंगाणी ने कहा कि यह उनका नहीं, पूरे प्रदेश के राजस्थानी साहित्यकारों का सम्मान है। उन्होंने बताया कि अकादमी द्वारा शीघ्र ही राजस्थानी भाषा–साहित्य के प्रचार–प्रसार की दिशा में अनेक साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सम्प्रति संस्थान के सदस्य डॉ. सतीश मेहता ने शिवराज छंगाणी के व्यक्तित्व–कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा संस्थान के संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत के संदेश का वाचन किया।

अकादमी सचिव शरद केवलिया ने कहा कि श्री छंगाणी ने छह दशक से अधिक समय से राजस्थानी एवं हिन्दी भाषा–साहित्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है। प्रो. नरसिंह बिन्नाणी ने प्रशस्ति–पत्र का वाचन किया। कल्पना नागौरी ने कार्यक्रम संचालन किया तथा डॉ. कविता मेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा श्री छंगाणी का प्रशस्ति–पत्र, साफा, कावड़, माल्यार्पण, संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें व पाक्षिक पत्र 'शब्द रंजन' भेंट कर सम्मान किया गया। संस्थान की ओर से अकादमी सचिव शरद केवलिया को भी माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इन्द्र कुमार छंगाणी, सुशील छंगाणी, आदित्य व्यास, कानसिंह, मनोज मोदी, आनंद छंगाणी, लाल मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

संतों की वाणियों पर सारगर्भित संगोष्ठी

भोपाल (ह. सं.)। 29 व 30 जुलाई को भोपाल में संपन्न 'सन्त वाणियां और रैदास' विषयक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी इसलिए महत्त्व रखती है कि इसमें संतों की भाषा, संतों के संदेश और संतों के चरित को लेकर काम करने वाले विद्वानों प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित, ब्रजेंद्रकुमार सिंघल, प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय, प्रो. श्रीराम परिहार, डॉ. श्रीकृष्ण 'जुगनू' सहित शताधिक शोधार्थियों ने अपने शोधपत्र पढ़े। विद्वानों ने मध्यकाल के प्रसंग में अनेक पक्ष रखे। सत्राध्यक्ष श्रीकृष्ण जुगनू ने कहा कि संस्कृत, प्राकृत, पाली आदि के उपरांत कैसे स्थानीय भाषाओं में संतों ने ध्येय और समाज सुधार के अभियान में अग्रणी भूमिका निभाई। कैसे गाथा और श्लोक के समानान्तर वाणी को सर्वाधिक सामाजिक स्वीकृति मिली।

कर्क रेखा के आसपास सर्वाधिक संतों का जन्म साधारण परिवारों में हुआ और उनकी वाणी को रागों में बद्ध कर साजों के सुरों के सुपूर्द किया गया। ये बानियां कण्ठकोश से लेकर घर और द्वारों से जन–जन के हृदय के द्वार खोलने वाली कुंजी सिद्ध हुईं। मतों का प्रवर्तन करने वाली बीज रूप हुईं। हर कोई कबीर आदि की छाप से लिखने लगा। पीपाजी जैसे राजा ने कबीर और रैदास को वंदनीय कहा तो झालीरानी मीराकुंवरी ने उनको गुरु बनाया।

इस काल की वाणियों में ऐसे अदृष्ट, अनजान नगर की रचना का ध्यान से गान हुआ जहां सब कुछ अविश्वसनीय लगता है। ऐसा सब कैसे हुआ? संतों ने मध्यकाल में भारतीय आत्मा के जागरण का सूत्रपात किया। उनकी वाणियां सूत्र वचन हैं। उन्होंने लोक को मथा और बिना किसी प्रचार–प्रसार के लोक में ऐसी लहरी जगाई कि शासकों ने उनका लोहा माना। संतों ने कोई व्याकरण नहीं पढ़ा। ककहरा नहीं साधा। न ही कोई शस्त्र उठाया। लोकभाषा की ताकत को समझा और छंद तथा संगीत को रचनात्मक रूप में अपनाया। परिणाम यह हुआ कि सत्ता, संस्कृत और सेना तक ने समर्पण किया।

संतों ने अगोचर गढ़, अमरापुर, गुरुनगरी, कायागढ़, बेगमपुरा के नाम से वही धारणा दी जिसको गीता और उत्तराध्ययन सूत्र में कहा है : यद्गत्वा न निर्वतंते तद्धाम परमं मम। (15, 6) उपनिषदों ने भी वैसा ही कहा। वे स्वयं वैसा ही करते रहे जैसा गीता में कहा – अपने स्वाभाविक कर्मों से परमेश्वर की अर्चना। (18, 46) उनके लिए यह स्वधर्म ही ध्येय और प्रेय था लेकिन वे अपना वर्ण विचार देने वाले हुए। संत रैदास ही नहीं, कबीर, पीपा, सेना, रांका और बांका ने भी कारू कर्मन्त्र में एक नए व्यवस्था रूप को देखा।

उनकी वाणी गायी गई। संग्रहीत की गई और स्थापित की जाने लगी। वह अंग, अभंग, साखी, सबद, रमैनी ही नहीं, हंसला, हेली, वनज बंजारा, सिकार, जमजाल, जीवराज आदि के रूप में प्रभाती से पौढ़ावनी आदि अनेक आवसरिक रूपों और राग–रागिनियों में एकाग्र हुईं... परा पश्यन्ती, वैखरी और मध्यमा!।

उनका कहना था कि यह क्रान्ति दक्षिण के आलवारों से से प्रेरित नहीं, बल्कि अपने निजत्व और मौलिकता को लिए दिखाई दी और उसकी मशाल आजतक रोशनी देने की कुव्वत रखती है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय और भारतीय हिंदी परिषद्, प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में रूपरेखा प्रो. धर्मेंद्र पारे (निदेशक) ने रखी जबकि प्रो. पवन अग्रवाल (सभापति हिंदी परिषद्) ने उद्देश्यों का परिचय दिया।

एकता, स्वतंत्रता, समानता रहे

-वेद व्यास-

एकता, स्वतंत्रता, समानता रहे।
देश में चरित्र की महानता रहे।।
(1)
कंठ हैं अनेक, गीत एक राष्ट्र का
रंग हैं अनेक, चित्र एक राष्ट्र का
रूप हैं अनेक, भाव एक राष्ट्र का
शब्द हैं अनेक, अर्थ एक राष्ट्र का
चेतना, समग्रता, समानता रहे।
देश में चरित्र की महानता रहे।।
(2)
राज्य हैं अनेक, संघ एक राष्ट्र का
वर्ग हैं अनेक, सर्ग एक राष्ट्र का
भक्त हैं अनेक, धर्म एक राष्ट्र का
कर्म हैं अनेक, लक्ष्य एक राष्ट्र का
सादगी, सहिष्णुता, समानता रहे।
देश में चरित्र की महानता रहे।।
(3)
व्यक्ति हैं अनेक, रक्त एक राष्ट्र का
वाक्य हैं अनेक, लेख एक राष्ट्र का
गांव हैं अनेक, स्वप्न एक राष्ट्र का
शंख हैं अनेक, चक्र एक राष्ट्र का
जागरण, मनुष्यता, समानता रहे।
देश में चरित्र की महानता रहे।

जेके टायर के शुद्ध लाभ में उछाल

उदयपुर (ह. सं.)। भारत की अग्रणी टायर निर्मात कम्पनी जेके टायर एण्ड इंडस्ट्रीज लि. (जेके टायर) ने वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड परिणामों की घोषणा कर दी है। पहली तिमाही के दौरान कंपनी ने 3726 करोड़ रुपये के शुद्ध राजस्व पर 242 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ एवं 159 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ अर्जित किया है।

चेयरमैन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा कि प्रोडेक्ट मिक्स के प्रीमियमीकरण पर हमारे निरंतर ध्यान रखने के कारण बेहतर लाभप्रदता के मामले में वित्तीय वर्ष 2024 की शुरुआत सकारात्मक रही है। हकीकत में देखा जाए तो इससे स्थिर इनपुट लागत से सहायता मिली है। उन्होंने कहा कि हम स्वस्थ मैक्रो इकोनॉमिक माहौल के कारण सभी उत्पाद श्रेणियों में रिप्लेसमेंट और ओईएम सेगमेंट में मांग में उछाल देख रहे हैं। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात मांग भी बढने् की उम्मीद भी जताई। डॉ, सिंघानिया ने कहा कि अच्छे मानसून, बुनियादी ढांचे पर निरंतर जोर और त्योहारी सीजन के साथ, हम टायरों की मांग को लेकर आशावादी बने हुए हैं। जेके टायर की सहायक कंपनियों कैवेंडिश इंडस्ट्रीज लि. और जेके टॉर्नेल, मैक्सिको ने कंपनी के समग्र राजस्व और लाभप्रदता में स्वस्थ योगदान के साथ अच्छा प्रदर्शन जारी रखा।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

आज़ादी का अन्नपूर्णा महोत्सव

76वीं

वर्षगांठ के शुभ अवसर पर

'कोई भूखा न सोए'

की संकल्पना को साकार करते हुए

माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान
श्री अशोक गहलोत द्वारा

प्रदेश में

मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना
का **शुभारंभ**

1 करोड़ से अधिक परिवारों को होगा लाभ।

25000 से अधिक वितरण केंद्र (उचित मूल्य की दुकान)

सहकारिता विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

PMCH HEALTH ADVISORS पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

(NABH प्रमाणित)

नि:शुल्क मेगा सर्जरी शिविर

अगस्त 16 2023 से अगस्त 23 2023

समय – प्रातः 9.00 से दोपहर 3.00 बजे तक

नि:शुल्क डिलीवरी (सामान्य एवं सिजेरियन) (नवजात शिशु की सम्पुर्ण सुरक्षा के साथ)

- नि:शुल्क परामर्श
- नि:शुल्क रक्त एवं मूत्र की सामान्य जाँच
- नि:शुल्क सोनोग्राफी, ECG, X-Ray
- नि:शुल्क CT Scan एवं MRI
- सभी तरह के ऑपरेशन शुल्क नि:शुल्क
- नि:शुल्क सामान्य वार्ड में भर्ती
- अन्य सभी जांचों पर 50% छुट

• आर.जी.एच.एस. व चिरंजीवी योजना के तहत
• परामर्श, भर्ती एवं इलाज की कैशलेस सुविधा के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

डॉ. नरेन्द्र मल – न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन | डॉ. दीपक कालरा – वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ | डॉ. आर.एन. लढ्ढा – वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ | डॉ. के.सी. व्यास – वरिष्ठ सर्जन | डॉ. एम.एम. मंगल – वरिष्ठ सर्जन | डॉ. राजरानी शर्मा – वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ | डॉ. पी.सी. जैन – वरिष्ठ नाक, कान, गला विशेषज्ञ | डॉ. हनुवंत सिंह राठौड़ – यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन | डॉ. गुरु भूषण – बर्न एंव प्लास्टिक सर्जन

डॉ. विश्वास जौहरी – जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन | डॉ. सौरभ शर्मा – कैंसर रोग सर्जन | डॉ. विकेश कुमार जोशी – कन्सलटेन्ट जी.आई. सर्जन | डॉ. प्रवीण झंवर – बाल एवं नवजात शिशु सर्जन | डॉ. अनुरोध शाडिल्य – स्पाइन एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन | डॉ. राजेन्द्र चौधरी – नेत्र रोग विशेषज्ञ | डॉ. शिव कौशिक – नाक–कान–गला विशेषज्ञ | डॉ. धवल शर्मा – जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

मूत्र रोगों की सर्जरी

- दूरबीन एवं लेजर द्वारा प्रोस्टेट की गांठ का ऑपरेशन
- गुर्दे की पथरी एवं युरेटर की पथरी का दूरबीन एवं लेजर द्वारा ऑपरेशन
- पेशाब की थैली की पथरी का ऑपरेशन
- मूत्र नली की सिकुडन का दूरबीन से ऑपेरशन
- शिशु की मूत्र नली के वाल्व का लेजर द्वारा ऑपेरशन
- पुरुष में सेक्स सम्बन्धित विकारों का उपचार
- बच्चों का विस्तर गीला करना
- शिशु की लिंग सम्बंधी विकृति का निवारण
- टी. बी. जॉच एवं निदान
- गुर्दे एवं पेशाब की थैली के कैंसर का उपचार
- डायलिसिस के लिए AV फिस्टूला बनाने की सुविधा
- स्त्रियों में छीकने पर अनियंत्रित मूत्र स्राव का ऑपरेशन
- **नियो ब्लेडर सर्जरी की सुविधा**
- **यूरीथ्रोप्लास्टी सर्जरी की सुविधा**

नि:शुल्क यूरोफ्लोमेट्री, सीरम PSA एवं प्रोस्टेट हेल्थ

नवजात शिशु सर्जरी विभाग

- भोजन नली व श्वास नली का जुड़ा होना (TEF)
- पेशाब के रास्ते जन्म से रुकावट (PUV)
- आँतो का पूरा ना बनना (Intestinal Atresia)
- लेटिंग का रास्ता नहीं बनना (Imperforate Anus / Anorectal Malformation)
- लीवर, पेट व पेशाब संबंधी समस्याऐं
- गर्भ में बच्चे के विकार सम्बंधी काउंसलिंग
- खतना (Circumcision)

कैंसर रोग सर्जरी विभाग

- स्तन कैंसर • फेफडे एवं सीने के कैंसर
- हेड एवं नेक कैंसर • पेट के समस्त कैंसर
- हड्डी एवं मांस पेशियों के कैंसर
- गायनेकोलॉजिकल कैंसर
- गुर्दे एवं यूरोलॉजिकल कैंसर
- त्वचा के कैंसर एवं सभी कैंसर रोगों के ऑपरेशन की सुविधा एवं कीमोपोर्ट डालना

नि:शुल्क कैंसर स्क्रिनिंग*

पेट एवं लीवर रोग सर्जरी विभाग

जी.आई. सर्जरी

- आहार नली का सिकुडना
- मोटापे की सर्जरी
- तिल्ली का बढना
- लीवर में मवाद एवं कीडे की गांठ
- पैन्क्रीटाईटिस एवं पित्त की नली में पथरी
- पित्त की थैली में पथरी होना (गॉल ब्लैडर स्टॉन)

जी.आई. कैन्सर

- छोटी एवं बड़ी आँत में कैन्सर का दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
- खानें की नली एवं पेट के कैन्सर का दुरबीन द्वारा ऑपरेशन (VATS)
- पित्त की थैली एवं नली का कैन्सर
- लीवर एवं पैनक्रियाज का कैन्सर

नि:शुल्क सभी तरह के दुरबीन द्वारा ऑपरेशन की सुविधा*

न्यूरोसर्जरी विभाग

- मस्तिष्क में खून के थक्के का इलाज
- मस्तिष्क की गंभीर चोट का इलाज
- गर्दन व कमर के दर्द का उपचार
- सायटिक/स्लिप डिस्क
- रीड़ की हड्डी का उपचार
- ब्रेन व स्पाइनल ट्यूमर
- दूरबीन द्वारा मस्तिष्क व स्पाइन की सर्जरी

जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

- अपेंडिक्स, पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) एवं सभी प्रकार के हर्निया, (पेट, इंगुवानल एवं हायट्स हर्निया) के दूरबीन द्वारा जांच एवं ऑपरेशन
- पाइल्स, फिशर, फिस्टुला
- स्तन की गांठ एवं स्तन कैंसर
- पाइल्स का स्टेपलर द्वारा इलाज
- ट्युमर एवं अन्य ऑपरेशन की सुविधा

ऑर्थो एवं स्पाइन सर्जरी

- घुटने एवं कुल्हा, जोड प्रत्यारोपण की सुविधा
- दुरबीन द्वारा स्पाइन सर्जरी की सुविधा
- आर्थोस्कोपी • आपातकालीन सर्जरी
- जन्मजात विकलांगता एवं हड्डी से संबंधित सभी प्रकार की सर्जरी सुविधा
- सायटिका • डिस्क सर्जरी
- पोलियो • कूबड़पन

नि:शुल्क जोड प्रत्यारोपण ऑपरेशन *

नाक-कान-गला सर्जरी

- मूक बधीर बच्चो के लिये कॉक्लियर इम्प्लान्ट की सुविधा
- कान के पर्दे में छेद
- कम सुनाई देना व जन्म से बहरापन
- लगातार जुकाम आना
- नाक की हड्डी में टेढ़ापन
- एलर्जी या साईनस
- थायराइड • टॉन्सिल
- मुँह व गले के कैंसर
- खर्राटों का इलाज

नि:शुल्क सभी सामान्य ऑपरेशन *

नेत्र रोग सर्जरी

- काला पानी• कमजोर नजर
- नखुना, नासूर, भेंगापन एवं अन्य सभी सामान्य ऑपरेशन नि:शुल्क

नि:शुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन की सुविधा*

स्त्री एवं प्रसुति रोग सर्जरी

- दर्द रहित प्रसव एवं सभी तरह जटिल प्रसव की सुविधा
- सुरक्षित एवं सुखद डिलीवरी
- दूरबीन द्वारा सभी तरह के स्त्री रोगों के ऑपरेशन की सुविधा
- ऑपरेशन के बाद की चिकित्सकीय देखभाल

बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी

- जन्मजात विकृतियों जैसे कटे होंठ व तालू, जन्म से अंगुलिया अधिक होना या जुडी होना एवं कान का जन्म से ही नही होना आदि के ऑपरेशन की सुविधा
- चेहरे की फ्रेक्चर एवं जटिल चोटो की प्लास्टिक सर्जरी
- कटे हुए हाथ अंगुलियां, नसे व नाडियों को माइक्रो सर्जरी से पुनः जोडना एवं अन्य सभी प्रकार की प्लास्टिक सर्जरी. • जलने का इलाज

*नियम व शर्ते लागु।
*दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

निःशुल्क सीटी गाइडेड बायोप्सी

24 घण्टे एम्बुलेंस सेवा किफायती दरों पर | डे-केयर कीमोथेरेपी और सर्जरी की सुविधा | डायलिसिस की सुविधा | सुसज्जित आई.सी.यू. | उच्च प्रशिक्षित स्टाफ | डिजिटल 800 एमए 500 एमए एक्स-रे

RGHS | चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना MMCSBY | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को निशुल्क वाहन की सुविधा

24/7 सुविधाऐं उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001
फोन: 0294-3520000, 9828144314

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर – 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311–ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294–2429291, मोबाइल – 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।